राज्यपाल सचिवालय, बिहार
(जन–सम्पर्क शाखा)
राजभवन, पटना–800022

ई–मेल–**pr.rajbhavan@gmail.com**
prrajbhavanbihar@gmail.com
मोबाईल–9431283596

प्रेस–विज्ञप्ति

राज्यपाल ने वनबंधु परिषद् के दशम् वार्षिकोत्सव का उद्घाटन किया

पटना, 17 मार्च 2019

''वनबंधु परिषद् वनवासी क्षेत्रों में शिक्षा का अलख जगाने वाली एक उत्कृष्ट संस्था रही है। वनवासी क्षेत्रों में जहाँ की 85 प्रतिशत से अधिक आबादी आज भी निरक्षर है, उस क्षेत्र में साक्षरता–दर विकसित करते हुए, शिक्षा के विकास का बीड़ा वनबंधु परिषद् ने उठा रखा है। भाऊराव देवरस जी आदि महापुरूषों के मार्ग–दर्शन में इस संस्था ने वनवासी–परिवार एवं ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों एवं युवाओं में शिक्षा के प्रति जागृति पैदा करने तथा शिक्षा को मनुष्य के सर्वांगीण विकास का मूल–मंत्र बताने का गुरूतर दायित्व बखूबी निभाया है।''–उक्त उद्गार, महामहिम राज्यपाल श्री लाल जी टंडन ने स्थानीय ज्ञानभवन में 'वनबंधु परिषद्' के दशम् वार्षिकोत्सव का उद्घाटन करते हुए व्यक्त किये।

इस अवसर पर बोलते हुए राज्यपाल ने कहा कि हमारे शास्त्रों में ''इदन्नमम' की प्रेरणा दी गई है। इसलिए हमें जो भी प्राप्त हुआ है, या हमने जो उपार्जित किया है, उसपर भी पूरे समाज का हक है। श्री टंडन ने कहा कि अपने उपार्जन से बचाकर दान करने की प्रवृत्ति सबमें होनी चाहिए। थोड़े–थोड़े दान से बहुत बड़ा संग्रह हो जाता है। राज्यपाल ने कहा कि त्याग से सम्पत्ति घटती नहीं बल्कि उससे नैतिक बल बढ़ता है। राज्यपाल ने कहा कि जो समाज व्यक्ति के निर्माण में इतनी भूमिका निभाता है, उसके लिए भी कुछ करना हर व्यक्ति का फर्ज बनता है। राज्यपाल ने कहा कि पीड़ित मानवता की सेवा तथा समाज के कमजोर वर्ग का उपकार किसी एहसान के भाव से नहीं करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा कि आज देश में यद्यपि संसाधनों की कोई कमी नहीं है, परन्तु सिर्फ सरकारों के भरोसे समाज कल्याण या प्रगति को नहीं छोड़ा जा सकता। उन्होंने कहा कि वनबंधु परिषद् ग्रामीण क्षेत्रों में कमजोर और गरीब बच्चों के लिए कल्याण औश्र शिक्षा–दान का कार्य पूरी गंभीरता और व्यापकता से चला रहा है।

राज्यपाल ने कहा कि मनुष्य को शिक्षा से संस्कार की प्राप्ति होती है, संस्कृति का बोध होता है और अपने राष्ट्र के प्रति श्रद्धा और आस्था जगती है।

श्री टंडन ने कहा कि आज का नया भारत अप्रतिम पौरूष और ज्ञान से परिपूर्ण भारत है। राष्ट्रीयता की उद्दाम लहरें हमारे देश में 65 प्रतिशत से भी अधिक युवाओं की आबादी में हिलोरें मार रही हैं। हमारी भारतीय राष्ट्रीयता हमें विश्वबंधुत्व का पाठ पढ़ाती है। उदार चरित्र और विचार वाले भारतीय पूरी धरती के लोगों को अपने परिवार का ही सदस्य मानते हुए उन्हें पूरा सम्मान और स्नेह देते हैं। 'वसुधैव कुटुम्बम्' की भावना सभी भारतीयों के रग–रग में परिव्याप्त है। विश्वमैत्री और बंधुत्व पर आधारित इसी संस्कृति की बदौलत हम कभी 'जगद्गुरू' कहलाते थे और आज भी पूरी दुनियाँ हमें भरपूर आदर और आस्था के साथ देखती है।

समारोह में राज्यपाल ने पुलवामा (जम्मू–कश्मीर) में हुए आतंकी हमले के दौरान शहीद हुए बिहार के दो अमर शहीदों –रतन ठाकुर एवं संजय सिन्हा के पिता सर्वश्री राम निरंजन ठाकुर एवं महेन्द्र प्रसाद सिंह को संस्था की तरफ से एक–एक लाख रूपये का चेक एवं स्मृति–चिह्न देकर सम्मानित भी किया।

उद्घाटन–समारोह को वनबंधु परिषद् के राष्ट्रीय संरक्षक श्री रामेश्वर लाल काबरा, संस्था के पटना चैप्टर के अध्यक्ष श्री राधेश्याम बंसल, सचिव श्री महेश जालान, श्री जे॰के॰ सिन्हा आदि ने भी संबोधित किया। स्वागत–भाषण श्री राजेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर डॉ॰ आर॰एन॰ सिंह, श्री विजय माहेश्वरी आदि भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में राज्यपाल ने संस्था में उत्कृष्ट कार्य करनेवालों को सम्मानित किया तथा 'स्मारिका' का भी विमोचन किया।

.....